

आँखों से निदियाँ, मेरी हीनी रे  
कान्हा नेहा लगाय के ॥२॥

काहे रोके री कान्हा बीच बजरिया  
अपनी sssss ॥२॥ सी कर लीन्ही रे  
कान्हा नेहा लगाय के -- आँखों से.....

पनघट पे मेरी रोके डगरिया  
जागत sssss ॥२॥ लूने कर दीन्ही रे  
कान्हा नेहा लगाय के आँखों से.....

लड़- मोलिन की नथनीं टूटी  
गैल sssss ॥२॥ चलत मैंने बीनी रे  
कान्हा नैनार मिलाय के आँखों से.....

होड़ो "श्रीबाबा श्री" मेरी चूनर होड़ो  
हो गई sssss ॥२॥ उमर मेरी झीनी रे  
कान्हा नेहा लगाय के आँखों से.....